उच्चतर शिक्षा विभाग, हरियाणा

की

वर्ष 1981-82

वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट

NIEPA DC
D04408

प्रकाशक

निदेशक उच्चतर शिक्षा हरियाणा, चण्डीगढ़।

विषय-सूचि

क्र0 सं0 अध्याय शीर्षक		पृष्ठ संख्या
समीक्षा	..	i—iv
1. प्रशासन एवं संगठन	..	1—4
2. सामान्य शिक्षा (महाविद्यालय)	..	6—9
3. छात्रवृति तथा अन्य वित्तीय सहायता	..	10—13
4. विविध	..	14—17

...nal Systems Unit,
...nal Institute of Educational
... and Aministration
...bindo Marg, New Delhi-110016
... No. D-11148
Date 6-5-82

REVIEW OF THE ADMINISTRATIVE REPORT OF HIGHER EDUCATION DEPARTMENT OF HARYANA FOR THE YEAR 1981-82

The development of Higher Education continued at the same pace during the year 1981-82 as in the previous years. There are two universities in the State, (1) Kurukshetra University, Kurukshetra (2) Maharishi Daya Nand University, Rohtak. The number of colleges affiliated to these universities is 123 in which there is proper arrangement for Higher education. Number of students reading in these colleges was 93612 during the year 1981-82 out of which 66025 were boys and 27587 were girls. The number of scheduled castes students was 5476 out of which 5206 were boys and 270 were girls.

Six new colleges were started in the year 1981-82 out of which three were in Government Sector and three in Private Sector.

123 new posts of lecturers were created in the year 1981-82, out of which 16 were due to starting of new subjects, 80 due to workload and 27 due to starting of new colleges.

The Government provides very libral grants for running the educational programmes in non-government colleges. The amount of the maintenance grant was increased from 75 per cent to 95 per cent in the year 1981-82. An amount of Rs. 2.38 crores to M.D. University Rohtak and that of Rs. 2.35 crores to Kurushetra, University, Kurukshetra was provided in the year 1981-82. Rs. 2.31 crores as maintenance grant and Rs. 12.50 lacs as matching grant were sanctioned for colleges. A sum of Rs. 71.78 lacs was spent and 7310 students were benefited under the various scholarships and financial aid of government of India. A sum of Rs. 27.42 lacs was spent and 5063 students were benefited under the various scholarships schemes and financial aids by the State Government. Out of this amount a sum of Rs. 78.53 was incurred on 10171 scheduled castes students.

The arrangement of teachers trainirg was in 19 colleges in the State during the year under report in which 1281 boys and 2207 girls got admission. There is a proper arrangement of training in physical education in Agricultural University, Hisar and Kurukshetra University, Kurukshetra. 141 boys and 30 girls got admission for this training

The N.S.S. programme is running in the State for the development of personality and mind of the students. The number of volunteers increased from 14,000 to 15,000 in 1981-82 under N.S.S. scheme. A sum of 16.80 lacs was provided for this programme in 1981-82. 117 camps were organised by the volunteers of N.S.S. during the period under report and 6762 students participated therein.

The N.C.C. cadets are imparted training of all the three wings i.e. Navy, Military and Air under N.C.C. scheme. There are junior division for school students and senior divisions for college students. There are 17 Battalions and 11800 cadets of senior division in Haryana. The number of the Battalions of junior division is 167 and number of cadets is 16150.

The number of the district libraries was 8 in Haryana State during the period under report.

Sh. Dev Raj was the Education Minister and Smt. Shanti Rathee was the Minister of State for Education in the year 1981-82. Sh. J.D.Gupta, I.A.S. worked on the post of Educ-Commissioner and Secretary. Sh. S.P. Bhatia, I.A.S worked as Joint Secretary and Sh.L.M. Jain, I.A.S. held the post of Director.

उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा की वर्ष 1981-82 की प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

वर्ष 1981–82 में उच्चतर शिक्षा क्षेत्र में पिछले वर्षों की भांति सामान्य रूप से विकास होता रहा है । राज्य में दो विश्वविद्यालय हैं– 1. कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र 2. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक । इन विश्वविद्यालयों से सम्बन्धित महाविद्यालयों की संख्या 123 हैं, जिनमें उच्चतर शिक्षा के लिए समुचित प्रबन्ध है । वर्ष 1981–82 में इन महाविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की संख्या 93612 थी जिन में से 66025 लड़के तथा 27587 लड़कियां थीं । अनुसूचित जातियों के छात्रों की संख्या 5476 थीं जिनमें 5206 लड़के तथा 270 लड़कियां थीं ।

गत वर्ष 1981–82 में 6 नए महाविद्यालय खोले गए जिनमें से तीन राजकीय क्षेत्र में तथा तीन अराजकीय क्षेत्र में हैं ।

वर्ष 1981–82 में 123 नए प्राध्यापकों के पद सृजन किए गए जिनमें से नए विषयों के कारण 16, कार्यभार के कारण 80 तथा नए महाविद्यालय खोलने के कारण 27 पद सृजन किए गए ।

अराजकीय महाविद्यालयों में शिक्षा कार्यक्रम को सुचारु रुप से चलाने के लिए सरकार उदारतापूर्वक अनुदान देती है। वर्ष 1981–82 में अनुरक्षण अनुदान की राशि 75 प्रतिशत से बढ़ा कर 95 प्रतिशत कर दी गई। वर्ष 1981–82 में महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक को 2.38 करोड़ रुपए और कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र को 2.35 करोड़ रुपए की राशि दी गई। महाविद्यालयों को 2.31 करोड़ रुपए अनुरक्षण अनुदान तथा 12.50 लाख रुपए मैचिंग अनुदान के रूप में स्वीकृत की गई हैं।

भारत सरकार की विभिन्न छात्रवृत्तियों एवं वित्तीय सहायता के अन्तर्गत 71.78 लाख रुपए की राशि व्यय की गई तथा 7310 छात्रों को लाभान्वित किया गया। राज्य सरकार की विभिन्न छात्रवृत्तियों एवं वित्तीय सहायता के अन्तर्गत 27.42 लाख रुपए की राशि व्यय की गई तथा 5063 छात्रों को लाभान्वित किया।

इसमें से अनुसूचित जातियों के छात्रों पर 78.53 लाख रुपए व्यय किए गए तथा 10171 छात्रों को लाभ पहुंचा।

राज्य में रिपोर्टाधीन अवधि में 19 महाविद्यालयों में अध्यापक प्रशिक्षण का प्रबन्ध था जिनमें 1281 लड़के तथा 2207 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया। शारीरिक शिक्षा में प्रशिक्षण देने के लिए कृषि विश्वविद्यालय, हिसार तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र में समुचित प्रबन्ध है। वर्ष 1981–82 में 141 लड़के तथा 30 लड़कियों ने इस प्रशिक्षण के लिए प्रवेश प्राप्त किया।

छात्रों के व्यक्तित्व और बौद्धिक विकास के लिए राज्य में एन.एस.एस. कार्यक्रम चालू है। वर्ष 1981-82 में एन. एस. एस. योजनाओं के अन्ततर्ग स्वयं सेवकों की संख्या 14000 से बढ़ाकर 15000 कर दी गई। वर्ष 1981-82 में इस कार्यक्रम के लिए 16.80 लाख रुपए की व्यवस्था की गई। रिपोर्टाधीन अवधि में एन.एस.एस के स्वयं सेवकों द्वारा 117 शिविर लगाए गए तथा 6762 छात्रों ने भाग लिया।

एन.सी.सी. स्कीम के अन्तर्गत सेना की तीनों शाखाओं अर्थात् जल, स्थल तथा वायु का प्रशिक्षण राज्य में एन. सी. सी. के कैडिट्स को दिया जाता है। विद्यालयों के छात्रों के लिए जूनियर डिवीजन तथा महाविद्यालयों के छात्रों के लिए सीनियर डिवीजन स्थापित हैं। हरियाणा में सीनियर डिवीजन की 17 बटालियन तथा 11800 कैडिट्स है। जुनियर डिवीजन की बटालियनों की संख्या 167 तथा 16150 कैडिटस हैं।

रिपोर्टाधीन अवधि में हरियाणा राज्य में जिला पुस्तकालयों की संख्या आठ थी।

वर्ष 1981–82 में शिक्षा विभाग के शिक्षा मंत्री श्री देसराज तथा राज्य शिक्षा मंत्री श्रीमति शान्ति राठी रही। शिक्षायुक्त एंव सचिव के पद पर श्री जे डी.गुप्ता, आई.ए.एस. ने कार्य किया। संयुक्त सचिव के पद पर श्री एस.पी. भाटिया, आई.ए.एस. ने कार्य किया तथा निदेशक के पद पर श्री एल.एम.जैन, आई. ए. एस. रहे।

अध्याय–पहला

प्रशासन एवं संगठन

1.1 वर्ष 1981-82 में शिक्षा विभाग के शिक्षा मंत्री श्री देशराज तथा राज्य शिक्षा मंत्री श्रीमती शान्ति राठी रही ।

(क) सचिवालय स्तर

शिक्षा आयक्त एवं सचिव के पद पर श्री एल0 सी0 गुप्ता, आई0 ए0 एस0 ने तथा संयुक्त सचिव के पद पर श्री एस0 पी0 भाटिया, आई0 ए0 एस0 ने कार्य किया । अवर सचिव के पद पर श्री के0 जी0 वालिया ने कार्य किया।

(ख) निदेशालय स्तर पर

निर्देशक उच्चतर शिक्षा के पद पर श्री एल0 एम0 जैन, आई0 ए0 एस0 ने कार्य किया तथा निम्नलिखित पदों पर अन्य अधिकारियों ने कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिए निदेशक उच्चतर शिक्षा को सहयोग दिया ।

1. प्रशासन अधिकारी	एच0 एस0 एस0
2. संयुक्त निदेशक, महाविद्यालय	एच0 ई0 एस0
3. उप निदेशक महाविद्यालय	—सम—
4. सहायक निदेशक महाविद्यालय	—सम—
5. सहायक निदेशक, एन0 सी0 सी0	—सम—
6. लेखा अधिकारी महाविद्यालय	——
7. रजिस्ट्रार शिक्षा	——

1.2 विश्वविद्यालय/महाविद्यालय

राजकीय महाविद्यालयों के प्राचार्य प्रत्यक्ष रूप में सुचारू प्रशासन तथा उच्च शिक्षा के विकास के लिए निदेशक, उच्चतर शिक्षा के प्रति उत्तरदायी हैं। परन्तु गैर सरकारी महाविद्यालयों का प्रशासन उनकी अपनी प्रबन्ध समितियां ही चलाती हैं। राज्य में स्थित सभी महाविद्यालय संबंधित विश्वविद्यालयों की शिक्षा नीति को अपनाते है।

इस वर्ष हरियाणा संबद्ध महाविद्यालय सेवा सुरक्षा अधिनियम, 1979 तथा हरियाणा अराजकीय महाविद्यालय (प्रबन्ध अधिग्रहण) आधिनियम, 1978 को सुदृढ बनाने के लिए विभाग द्वारा सरकार के माध्यम से हरियाण विधान सभा के बजट अधिवेशन में दो संशोधन बिल लाए गए और विधान सभा ने दोनो संशोधन बिल अनुमोदित कर दिए। आशा की जाती है कि इन दोनों संशोधनों के बाद अराजकीय महाविद्यालयों के कर्मचारियों को प्रबन्धकों की मनमानी से बचाया जा सकेगा तथा जहां-जहां अराजकीय महाविद्यलयों की प्रबन्धक समितियां ठीक प्रकार से कार्य नहीं कर रही, उन महाविद्यालयों का प्रबन्ध भी ठीक करवाया जा सकेगा। इन बिलों को सम्मुख रखते हुए इस वर्ष 4-5 कालिजों का मामला राज्य सरकार के विचाराधीन है।

रोहतक तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालयों से सम्बद्ध महाविद्यालयों में प्राध्यापकों तथा प्राचार्यों के जो पद भरे जाते हैं, उनमें यह सुनिश्चित करने के लिए कि केवल योग्य उम्मीद्वार ही चुने जायें, उनके साक्षात्कार के समय चयन समिति में विभागीय प्रतिनिधि का होना भी अनिवार्य कर दिया गया है। इस प्रकार आशा की जाती है कि अब केवल योग्य उम्मीद्वार ही प्राध्यापक/प्राचार्य के रूप में चुने जाएंगे।

1.3 शिक्षा पर व्यय

वर्ष 1981-82 में महाविद्यालय शिक्षा पर 1012.29 लाख रुपए की राशि खर्च की गई। इसमें से योजनेत्तर पक्ष पर 800.76 लाख रुपए तथा योजना पक्ष पर 211.53 लाख रुपए खर्च हुए। 1980-81 में यह व्यय

1011.99 लाख रुपया था जिसमें से योजनेत्तर 751.10 लाख रुपए तथा योजनागत व्यय 260.89 लाख रुपए था ।

1.4 विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों को अनुदान

अराजकीय महाविद्यालयों में शिक्षा कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार उदारतापूर्वक अनुदान देती है । वर्ष 1981-82 में अनुरक्षण अनुदान की राशि 75 प्रतिशत से बढ़ाकर 95 प्रतिशत कर दी गई है । केवल यही नहीं अराजकीय महाविद्यालयों को उनके विकास के लिए भी वित्तीय सहायता समय-समय पर दी जाती रही है । वर्ष 1981-82 में 12.50 लाख रुपए की राशि मैचिंग बेसिज पर सहायता के रूप में विभिन्न महाविद्यालयों को स्वीकृत की गई ।

(ख) रिपोर्टाधीन अवधि में विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में शिक्षा एवं शिक्षा विकास कार्यक्रमों के लिए निम्नलिखित अनुदान दिए गए :—

	1980-81	1981-82 (करोड़ रुपए)
(1) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक	2.86	3.38
(2) कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	2.14	2.35
(3) महाविद्यालयों की अनुरक्षण अनुदान	1.75	2.31

अन्य संस्थाओं को वित्तीय सहायता

	1981-82	1982-83
1. आई. सी. एस. एन. आर. (पंजाब विश्वविद्यालय)	30,000	50,000
2. वनस्थली विद्यापीठ, जयपुर	5,000	5,000

पिछले वर्षों तक अराजकीय महाविद्यलयों को जो अनुरक्षण अनुदान दिया जाता था वह दो किस्तों में (अक्तूबर/मार्च) में दिया जाता था जिसके फलस्वरूप अराजकीय महाविद्यलयों के प्राध्यापकों को वेतन हर मास लगातार नहीं मिल पाता था । इस वर्ष इस प्रणाली में सुधार लाया गया है और क्लेमों के अवेदन पत्र प्राप्त हुए बिना ही आन एकाउन्ट (on account) लगभग 50 प्रतिशत ग्रान्ट पहली किश्त के रूप में मास जून में और शेष राशि मास अक्तूबर और मार्च में देने का प्रयत्न किया गया है ।

इस प्रणाली में भी सुधार लाने के लिए अगले वर्ष अर्थात 1982-83 में पहली किश्त मास अप्रैल में वितरण करने के उद्देश्य से आवश्यक पग उठाए जा रहे हैं और आशा की जाती है कि वर्ष 1982-83 में पहली किश्त मास अप्रैल में रिलीज कर दी जाएगी जिसके फलस्वरूप अराजकीय महाविद्यलयों में प्राध्यापकों एवं अन्य कर्मचारियों को समय पर वेतन मिल सकेगा ।

अध्याय–दूसरा

सामान्य शिक्षा (महाविद्यालय)

2.1 महाविद्यालयों की संख्या

हरियाणा में दो विश्वविद्यालय हैं। एक महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक तथा दूसरा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र। इसके अतिरिक्त हरियाणा में महाविद्यालयों की संख्या 30 सितम्बर को स्थिति अनुसार निम्न प्रकार रही है :—

	1980–81		1981–82	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
राजकीय महाविद्यालय	24	1	30	1
अराजकीय महाविद्यालय	52	21	52	21
जोड़	76	22	82	22

पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त में हरियाणा में सामान्य शिक्षा महाविद्यालयों की संख्या 98 थी और अब वर्ष 1981–82 में महाविद्यालयों की संख्या 104 हो गई है।

2.2 छात्र संख्या

(क) इन महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों की

संख्या निम्न प्रकार है :—

शिक्षा स्तर	1980-81		1981-82	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
प्री-यूनिवर्सिटी	21273	6504	29973	7943
तीन वर्षीय डिग्री कोर्स	30964	14496	30713	15349
एम.ए./एम.एस.सी./एम. काम.	2237	1493	1956	1457
पी.एच.डी./एम.फिल	273	138	250	110
अन्य	1695	709	1711	491
जोड़	56442	23340	64603	25350

संस्थाओं अनुसार छात्र संख्या

	वर्ष 1980-81		1981-82	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
राजकीय महाविद्यालय	17202	4825	20251	5439
अराजकीय महाविद्यालय	36342	17494	41558	18918
विश्वविद्यालय	2898	1021	2794	993
जोड़	56442	23340	64603	25350

पांचवीं पंचवर्षीय योजना के अन्त में हरियाणा में सामान्य शिक्षा महाविद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या 75543 थी और अब वर्ष 1981-82 में छात्र संख्या 89953 हो गई है ।

(ख) महाविद्यालयों में पढ़ने वाले अनुसूचित जातियों के छात्रों की संख्या—

शिक्षा स्तर	1980-81		1981-82	
	लड़के	लड़कियां	लड़के	लड़कियां
प्री-यूनिवर्सिटी	1639	91	2809	82
तीन वर्षीय डिग्री कोर्स	2207	113	2066	170
एम०ए०/एम०एस०सी०, एम०काम०	180	15	161	14
पी०एच०डी०/एम०फिल	1	—	3	1
अन्य	156	6	167	3
जोड़	4183	225	5206	270

संस्थाओं अनुसार छात्र संख्या

	1980-81		1981-82	
	लड़के	लड़कियां	लडके	लड़कियां
राजकीय महाविद्यालय	1490	41	1846	70
अराजकीय महाविद्यालय	2509	173	3153	187
विश्वविद्यालय	184	11	207	13
जोड़	4183	225	5206	270

पांचवी पंचवर्षीय योजना के अन्त में हरियाणा में सामान्य शिक्षा महाविद्यालयों में अनुसूचित जातियों के छात्रों की संख्या 3740 थी जो बढ़कर 1981-82 में 5476 हो गई है।

2.3 नए महाविद्यालय खोलना तथा अराजकीय महाविद्यालयों को सरकारी नियन्त्रण में लेना

(1) रिपोर्टाधीन अवधि में निम्नलिखित महाविद्यालय खोले गए--

(क) राजकीय महाविद्यालय

1. राजकीय महाविद्यालय, नारायणगढ़ (अम्बाला)
2. राजकीय महाविद्यालय, आदमपुर (हिसार)
3. राजकीय महाविद्यालय, नलवा (हिसार)

(ख) अराजकीय महाविद्यालय

1. चौबीसी डिग्री महाविद्यालय, महम
2. डी0ए0वी0 महाविद्यालय, पेहवा
3. संजय महाविद्यालय, अटेली

(2) वर्ष 1981-82 में निम्नलिखित महाविद्यालय सरकारी नियंत्रण में लिये गये :-

1. एस0एस0 महाविद्यालय, तिगांव
2. गयानपुरा महाविद्यालय, धरौंडा

2.4 राजकीय महाविद्यालय में नये विषयों/कक्षाओं का चालू करना

वर्ष 1981-82 में उच्च शिक्षा की सुविधाओं के विस्तार हेतु राजकीय महाविद्यालयों में उनके सम्मुख निम्नलिखित विषयों की कक्षाएं आरम्भ की गई।

महाविद्यालयों का नाम	विषय/कक्षाएं
1. द्रोणाचार्य राजकीय महाविद्यालय, गुड़गांवा	फिलासफी (प्रेप, टी0 डी0 सी0–I, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (टी.डी.सी.)
2. राजकीय महाविद्यालय, कालका	विज्ञान (प्रेप, प्री-मैडीकल, प्री-इन्जीनियरिंग)
3. राजकीय महाविद्यालय, नरवाना	कामर्स, विज्ञान (प्रेप, प्री-मैडीकल, प्री-इंजीनियरिंग)
4. राजकील महाविद्यालय, बावल	कामर्स (प्रेप, टी0 डी0 सी0–I)
5. राजकीय गहाविद्यालय, तिगांव	कामर्स (प्रेप, टी0 डी0 सी0–I)
6. राजकीय महाविद्यालय, नारायणगढ़	कामर्स (प्रेप, टी0 डी0 सी0–I)
7. राजकीय महाविद्यालय, हिसार।	साईकालोजी (टी0 डी0 सी0–I)

2.5 प्राध्यापकों के नये सृजन किये पदों की संख्या

वर्ष 1981-82 में प्राध्यापकों के निम्न अनुसार पद सृजन किये गये :—

1. नये विषय आरम्भ करने के कारण	16
2. कार्यभार के कारण	80
3. नये राजकीय महाविद्यालय खोलने के कारण	27

2.6 सह शिक्षा

हरियाणा राज्य में लड़कों के सभी महाविद्यालयों में लड़कियों को भी पढ़ने की अनुमति है।

अध्याय तीसरा

"छात्रवृत्ति तथा अन्य वित्तीय सहायता"

3.1 योग्य विद्यार्थियों को शिक्षा के भिन्न-2 स्तरों पर शिक्षा प्राप्ति के लिए राज्य तथा भारत सरकार की भिन्न-2 स्कीमों के अन्तर्गत अनेक प्रकार की छात्रवृत्तियां तथा वित्तीय सहायता दी जाती है। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति तथा पिछड़ी जाति के छात्रों को भी शिक्षा प्राप्ति के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अनेक प्रकार की छात्रवृत्तियां तथा वित्तीय सहायता दी जाती है।

3.2 भारत सरकार राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजना

महाविद्यालयों में पढ़ने वाले योग्य छात्रों को उत्साहित करने के लिए इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 1981-82 में 1080 छात्रों को छात्रवृत्तियां प्रदान की गईं। इन छात्रवृत्तियों पर 12.88 लाख रुपये की राशि व्यय की गई। वर्ष 1980-81 में इस स्कीम के अधीन 1120 छात्रवृत्तियों पर 10.20 लाख रुपये की राशि व्यय की गई है। वर्ष 1981-82 में छात्रवृत्तियों का कम होने का कारण यह है कि जिन छात्रों ने छात्रवृत्तियों के लिए आवेदन-पत्र दिये थे उनमें से कुछ छात्रों के अविभावकों की आय निर्धारित सीमा से अधिक हो गई थी।

वर्ष 1981-82 में राशि अधिक होने का कारण यह है कि इस वर्ष जिन छात्रों ने छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र दिये थे उनमें से छात्रावास में रहने वाले छात्रों की संख्या वर्ष 1980-81 से अधिक थी।

3.3 राज्य योग्यता छात्रवृत्ति योजना

इस स्कीम के अन्तर्गत वर्ष 1981-82 में 750 हरियाणवी योग्य छात्रों को

मैट्रिक उपरान्त उच्च शिक्षा संस्थाओं में पढ़ने के लिए योग्यता छात्रवृत्ति दी गई । छात्रवृत्ति के रूप में 4.51 लाख रुपये की राशि छात्रों में वितरित की गई। इतनी ही छात्रवृत्तियां वर्ष 1980-81 में दी गई थी ।

3.4 राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्ति योजना

इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा गरीब माता-पिता के योग्य छात्रों को जो कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हैं, उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए छात्रवृत्ति ऋण के रूप में दी जाती हैं। वर्ष 1981–82 में 227 छात्रों को 1.65 लाख रुपये की राशि वितरित की गई, वर्ष 1980-81 में 258 छात्रों को 1.90 लाख रुपये की राशि वितरित की गई ।

3.5 राज्य हरिजन कल्याण योजना अधीन अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्ग के छात्रों को सुविधाए

अनुसूचित जातियों तथा पिछड़े वर्ग के छात्र/छात्राओं को शैक्षणिक, व्यवसायिक तथा तकनीकी शिक्षा के लिए विशेष सुविधाएं तथा वित्तीय सहायता दी जाती है । निःशुल्क शिक्षा और छात्रवृत्तियों के अतिरिक्त परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाती है ।

पिछड़े वर्ग के छात्र / छात्राओं को विभिन्न कक्षाओं और कोर्सों में पढ़ने हेतु 30/– रुपये मासिक दर से लेकर 70 रुपये की मासिक दर तक वजीफे/ छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। वर्ष 1981-82 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले पिछड़े वर्ग के लगभग 4168 छात्र/छात्राओं को 21.28 लाख रुपये की छात्रवृत्तियां/वजीफे दिये गये । इस राशि में से पिछड़े वर्ग के छात्रों की परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की गई । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 1980-81 में 3500 छात्र/छात्राओं को 16.46 लाख रुपये की राशि की छात्रवृत्तियां/वजीफे दिये गये, जिसमें से पिछड़े वर्ग के छात्रों की परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की गई ।

3.6 भारत सरकार की मैट्रिक उपरान्त अनुसूचित जाति के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना

इस स्कीम के अन्तर्गत मैट्रिक उपरान्त शिक्षा संस्थाओं में भिन्न-2 कोर्सों

में पढ़ने वाले अनुसूचित जातियों के छात्र/छात्राओं को 40 रुपये से लेकर 200 रुपये मासिक दर से छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। वर्ष 1981-82 में इस स्कीम के अन्तर्गत 6003 छात्र/छात्राओं को लाभान्वित किया गया तथा 57.25 लाख रुपये की राशि खर्च की गई। वर्ष 1980-81 में इस योजना के अन्तर्गत 4756 छात्र/छात्राओं के लिए 41.45 लाख रुपये की व्यवस्था की गई थी। ये छात्रवृत्तियां उन छात्र/छात्राओं को दी जाती हैं जिनके माता-पिता/संरक्षकों की अधिकतम कुल वार्षिक आय 9000 रुपये है। अनिवार्य रूप से दी जाने वाली निःशुल्क शिक्षा के अन्तर्गत छात्रों के कक्षा शुल्क तथा परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति की जाती है।

3.7 विमुक्त जाति के बच्चों को छात्रवृत्ति

विमुक्त जाति के बच्चों की स्कूल तथा महाविद्यालय स्तर पर छात्रवृत्तियां देने के लिए अलग से विमुक्त जाति कल्याण योजना चल रही है। वर्ष 1981-82 में इस योजना के लिए 43000/- रुपये की व्यवस्था की गई थी। इतनी ही राशि की व्यवस्था वर्ष 1980-81 में की गई थी।

3.8 न्यून आय वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियां

इस स्कीम के अन्तर्गत मैट्रिक उपरान्त शिक्षा के लिए 2000/- रुपये या इससे कम आयु वर्ग के माता-पिता के बच्चों का 22/-रुपये से लेकर 65 रुपये मासिक दर से छात्रवृत्तियां दी जाती हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षा शुल्क, अन्य अनिवार्य फण्ड तथा परीक्षा शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाती है। वर्ष 1981-82 में इस स्कीम के अन्तर्गत 1.20 लाख रुपये की राशि खर्च की गई तथा 145 छात्रों को लाभान्वित किया गया। वर्ष 1980-81 में इस स्कीम के अन्तर्गत 1.25 लाख रुपये की राशि 170 छात्रों पर खर्च की गई थी।

3.9 अस्वच्छ व्यवसाय में लगे गैर अनुसूचित जाति के लोगों के बच्चों को छात्रवत्तियां

अस्वच्छ व्यवसाय में लगे गैर अनुसूचित जाति के लोगों के बच्चों को

भारत सरकार मैट्रिक उपरान्त छात्रवृत्ति देती है। इस स्कीम के अन्तर्गत एक छात्रवृत्ति दी गई जिस पर 2147/- रुपये व्यय हुआ । एक ही छात्रवृत्ति वर्ष 1980-81 में दी गई थी।

3.10 उपरोक्त दी छात्रवृत्तियां संक्षेप में निम्नप्रकार हैं :--

छात्रवृत्ति योजना	लाभान्वित छात्रों की संख्या		व्यय की गई राशि (लाख रुपयों में)	
	1980-81	1981-82	1980-81	1981-82
1. भारत सरकार राष्ट्रीय छात्रवृत्ति	1120	1080	10.20	12.88
2. राज्य योग्यता छात्रवृत्ति	750	750	4.29	4.51
3. राष्ट्रीय ऋण छात्रवृत्ति	258	227	1.90	1.65
4 हरिजन कल्याण योजना अधीन छात्रवृत्ति	3500	4168	16.46	21.28
5. भारत सरकार मैट्रिक उपरान्त अनुसूचित जाति छात्रवृत्तियां	4756	6003	41.55	57.25
6. विमुक्त जाति के छात्रों को छात्रवृत्ति		—	43	43
7. न्यून आयु वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्तियां	170	145	1.25	1.20

अध्याय चौदह

विविध

4.1 अध्यापक प्रशिक्षण

वर्ष 1981–82 में भिन्न–2 वर्गों के अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए राज्य में निम्नलिखित पाठ्यक्रम की सुविधाएं उपलब्ध थीं ।

(क) एम. एड. कक्षाएं

राज्य में एम. एड. की कक्षाएं केवल सोहनलाल शिक्षा महाविद्यालय, अम्बाला तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में उपलब्ध रहीं । दोनों संस्थाओं में वर्ष 1980–81 में 48 लड़के तथा 63 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया । वर्ष 1980–81 में इन छात्रों की संख्या 36 लड़के कथा 39 लड़कियां थी ।

(ख) बी. एड. कक्षाएं :—

रिपोर्टाधीन अवधि में शिक्षा महाविद्यालयों संख्या 20 थीं जिसमें बी. एड. प्रशिक्षण अध्यापकों की कक्षाएं चालू थीं । इन सभी महाविद्यालयों में 1233 लड़के एवं 2144 लड़कियों ने बी. एड. कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त किया । वर्ष 1980–81 में इन छात्रों की संख्या 1004 लड़के एवं 2287 लड़कियां थीं ।

(ग) शारीरिक शिक्षा का प्रशिक्षण

शारीरिक शिक्षा में प्रशिक्षण देने के लिए शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय कृषि विश्वविद्यालय, हिसार तथा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में समुचित प्रबन्ध है । वर्ष 1981–82 में शारीरिक शिक्षा प्रशिक्षण के लिए स्नातकोत्तर स्तर पर 15 लड़के तथा 10 लड़कियों ने और स्नातक स्तर पर 126 लड़के तथा 20 लड़कियों ने प्रवेश प्राप्त किया ।

4.2 एन. एस. एस.

विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय स्तर पर छात्रों के व्यक्तित्व और बौद्धिक विकास के लिए भारत सरकार की सहायता से हरियाणा राज्य में एन. एस. एस. कार्यक्रम चालू है। वर्ष 1981-82 में एन. एस. एस. योजना के अन्तर्गत स्वयं सेवकों की संख्या 14000 से बढ़ाकर 15000 कर दी गई। रिपोर्टाधीन अवधि में महाविद्यालयों में स्वीकृत यूनिटों की संख्या 150 थी। वर्ष 1981-82 में विभाग के बजट में इस कार्यक्रम के लिए 16.80 लाख रुपये की व्यवस्था की थी। इस वर्ष 1980-81 में इस उद्देश्य के लिए 14.40 लाख रुपये की व्यवस्था की गई थी। इस कार्यक्रम पर भारत सरकार क्रमश 7:5 के अनुपात में धनराशि खर्च करती है।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए एन0एस0 एस0 के स्वयं सेवक विशेष सहयोग देते हैं। ग्रामीण जनता उत्थान हेतु यूथ फार रूरल रिकंस्ट्रक्शन अभियान के अधीन हरियाणा राज्य में वर्ष 1981-82 में 117 शिवर लगाये गये। इन शिविरों में से 86 शिविर रोहतक विश्व विद्यालय द्वारा, 68 शिविर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय द्वारा तथा 3 शिविर कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा लगाये गये। इन शिविरों में से कुछ शिविर मलिन बस्तियों में लगाये गये। लगभग 6762 छात्रों ने इन शिविरों में भाग लिया। इन शिविरों में मुख्यतया निम्नलिखित कार्यक्रमों पर कार्य किया गया।

1. Education and Recreation including Adult Education
2. Slum clearance.
3. Health and Family Welfare & Nutrition Programme.
4. Production Oriented Programme.
5. Social Science in Welfare Institution.
6. Work during Emergency.
7. Importance of Sanitation.

8. Eradication of dowry & other social evils.

9. Plantation of Trees.

10 Importance of the Status of Women.

4.3 एन. सी. सी.

भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय द्वारा बनाये गये नियमों के अनुसार एन0 सी0 सी0 स्कीम के अन्तर्गत सेना की तीनों शाखाओं जल, स्थल, तथा वायु सेवाओं का प्रशिक्षण राज्य में एन0 सी0 सी0 के कैडिट्स को दिया जाता है। विद्यालयों के छात्रों के लिए जूनियर डिविजन स्थापित किये हुए हैं तथा महाविद्यालयों के छात्रों के लिए सीनियर डिविजन स्थापित हैं। छात्र अपनी स्वेच्छा से एन0 सी0 सी0 प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, अनिवार्य रूप से नहीं। इस परियोजना को चलाने का खर्च भारत सरकार तथा राज्य सरकार मिलकर करती है। वर्ष 1981–82 में एन0 सी0 सी0 स्कीम को चलाने हेतु 56.28 लाख रुपये की बजट व्यवस्था की गई। हरियाणा में एन0 सी0 सी0 स्कीम कार्यक्रम की स्थिति निम्न प्रकार है :—

सीनियर डिविजन	बटालियन की संख्या	कैडिट्स की संख्या
इनफंटरी बटालियन (लड़कों के लिये)	12	9600
इनफैंटरी बटालियन (लड़कियों के लिये)	2	1600
वायु स्क्वैड्रन	2	400
नौसेना यूनिट	1	200
ग्रुप हैडक्वाटरर्ज	2	—

जूनियर डिविजन	बटालियन की संख्या	कैडिटस की संख्या
आर्मी विंग ग्रुप (लड़कों के लिये)	138	13350
आर्मी विंग ग्रुप (लड़कियों के लिये)	10	1000
वायु विंग	5	1350
नौसेना विंग	14	450

4.4. पुस्तकालयों की संख्या

रिपोर्टाधीन अवधि में कोई भी नया पुस्तकालय नहीं खोला गया। इस समय हरियाणा में जिला पुस्तकालयों की संख्या 8 है।